



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 अप्रैल, 2021

मसिाइल प्रणाली के विकास में नजिी क्षेत्र को अनुमति

जटलि सैन्य हार्डवेयर के विकास में घरेलू नजिी उद्योग की वशिषज्जता का लाभ प्राप्त करने के लयि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने नजिी क्षेत्र की घरेलू कंपनयिों को स्वदेशी रूप से मसिाइल प्रणालयिों के विकास और उत्पादन में भागीदारी करने की अनुमति दे दी है। डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर कार्यक्रम के तहत नजिी क्षेत्र के लयि शुरू कयि गए प्रारंभिक मसिाइल कार्यक्रमों में 'वर्टिकल लॉन्च- शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मसिाइल ससि्टम' (VL-SRSAM) भी शामिल है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का उद्देश्य भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत के नजिी उद्योग को जटलि सैन्य प्रणाली के विकास में सक्रम बनाना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इससे पूर्व नजिी क्षेत्र के कई उद्योगों को 'एडवांस टोड आर्टिलरी गन ससि्टम' वकिसति करने में सहायता की थी, जसि जलद ही भारतीय सेना द्वारा प्रयोग कयि जाएगा। वदिति हो करि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नयित्रण में कार्य करता है। DRDO अत्याधुनिक और महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियिों एवं प्रणालयिों में आत्मनिर्भरता की स्थिति हासिल करने के लयि भारत को सशक्त बनाने की दृष्टि से कार्य करता है तथा तीनों सेवाओं द्वारा नरिधारित आवश्यकताओं के अनुसार हमारे सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालयिों और उपकरणों से लैस करता है।

कार्णविक-कोव

वशि्व की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन [सपुतनिक वी](#) (Sputnik V) के विकास के बाद रूस ने हाल ही में घोषणा की है कि उसने जानवरों के लयि कोरोना वायरस की पहली वैक्सीन वकिसति कर ली है। रूस के मुताबकि, वायरस को जानवरों में उत्परवित्ति होने से रोकने के लयि इस प्रकार की वैक्सीन काफी महत्त्वपूर्ण है। रूस की कृषि नयिामक एजेंसी- रोसेलखोजनाजोर के अनुसार, अक्टूबर 2020 में बलिलयिों, कृत्तों, मकि, लोमड़यिों और अन्य जानवरों पर इस वैक्सीन का परीक्षण कयि जा चुका है और जलद ही व्यापक पैमाने पर इसका उत्पादन शुरू कयि जाएगा। मनुष्यों के लयि कोरोना वायरस वैक्सीन के विकास के बावजूद वायरस के उत्परवित्ति संस्करण, आम लोगों के समकष नए खतरे उत्पन्न कर रहे हैं और यदयिह उत्परवित्ति जानवरों में और भी गंभीर हो सकता है। गौरतलब है कि बीते वर्ष 2020 में डेनमार्क ने वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लयि 15 मिलियन मकि को मारने का नरिणय लयि था, क्यौंकि उनमें से कुछ में वायरस का उत्परवित्ति संस्करण पाया गया था। ऐसे में रूस द्वारा कार्णविक-कोव का विकास जानवरों में वायरस के उत्परवित्ति को रोक सकता है।

'वुल्फ-रेएट' तारे

भारतीय खगोलवदियों ने एक दुर्लभ सुपरनोवा वसिफोट की नगिरानी के दौरान 'वुल्फ-रेएट' (Wolf-Rayet) नामक सबसे गर्म तारों में से एक के बारे में पता लगाया है। दुर्लभ 'वुल्फ-रेएट' तारे सूर्य से एक हज़ार गुना अधिक प्रकाशमान और काफी अधिक गर्म होते हैं। नासा के मुताबकि, ऐसे तारों का सतही तापमान सूर्य की तुलना में 10 से 40 गुना अधिक होता है। भारत सरकार के वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वभिग के अधीन नैनीताल स्थिति स्वायत्त संस्थान आर्यभट्ट प्रेक्षण वजिज्ञान शोध संस्थान के खगोलवदियों की एक टीम ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियिों के साथ वर्ष 2015 में मलि एनएसजी 7371 आकाशगंगा में SN 2015dj नाम के सुपरनोवा की ऑप्टिकल मॉनीटरिंग की। उन्होंने उस सतिारे के द्रव्यमान की गणना की जसिके कारण सुपरनोवा का नरिमाण हुआ था। वैजिज्ञानिकों ने पाया कि असल में यह तारा दो सतिारों का मशि्रण था- जनिमें से एक वशिाल 'वुल्फ-रेएट' तारा था और दूसरा तारे का द्रव्यमान सूर्य से कम था। वदिति हो कि सुपरनोवा, ब्रह्मांड में होने वाले अत्यधिक ऊर्जावान वसिफोट हैं, जसिमें बड़ी संख्या में ऊर्जा मौजूद होती है। इन वसिफोटों की दीर्घकालीन नगिरानी वसिफोट वाले तारे की प्रकृति और वसिफोट के वभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करते हैं। यह वशिालकाय तारों की गणना में भी मदद करता है।

विकास और शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय खेल दविस

प्रत्येक वर्ष 06 अप्रैल को वैश्विक स्तर पर विकास और शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय खेल दविस का आयोजन कयि जाता है। इस दविस का प्राथमिक उद्देश्य सतत् विकास को बढ़ावा देना और मानव अधिकारों के संरक्षण में खेलों के सकारात्मक योगदान को रेखांकित करना है। इस दविस की शुरुआत वर्ष 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। विकास और शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय खेल दविस 2021 आम लोगों को उनके जीवन में संपूर्ण समुदाय के विकास और वैश्विक महामारी से उबरने में खेलों की भूमिका को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। खेल जनमानस में भागीदारी और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देता है और राष्ट्र के विकास में सहायता करता है। यह संवाद की संस्कृति का नरिमाण करने के साथ-साथ समावेश को बढ़ावा देने और संवेदनशील वर्ग के लोगों के वरिद्ध भेदभाव को समाप्त करने का भी कार्य करता है।

